उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय

रमला, गोड्डा, झारखण्ड

प्रभारी प्राचार्य

राम प्रताप पाण्डेय

M.Com, M.A (Economics), M.Ed, LL.B

Mobile No. : 9693543703,

Email Id : pandeyram765@gmail.com

सामाजिक तथा आर्थिक संदर्भ

पूर्वी भारत में झारखंड राज्य के संथाल परगना में अवस्थित गोड्डा जिला संथाल नामक प्राचीन जनजाति की भूमि है। वर्तमान में स्थानीय निवासियों में गैर जनजातीय तथा स्थानीय शहरी लोग भी शामिल है। जिले के सदर प्रखण्ड मुख्यालय से लगभग 10 कि. मी. दूर अत्यंत ही ग्रामीण परिदृश्य में स्थापित उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय, रमला है।

झारखण्ड राज्य सरकार द्वारा पोषित यह विद्यालय अपने शैक्षिक सफलता के लिए क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहता है।

विद्यालय में कुल 553 विद्यार्थी हैं जिनमें 271 छात्राएं तथा 282 छात्र है। ये सभी विद्यार्थी समाज के अलग अलग वर्गों से आतें हैं जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग से आतें हैं।

इस विद्यालय के अभिभावक आर्थिक रूप से अत्यंत पिछड़े हुए है जिनकी निर्भरता मुख्यता कृषि व मजदूरी पर आधरित है।

* * *

विद्यालय का दृष्टिकोण तथा उद्देश्य

विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थीयों का समावेशी, नैतिक, भावनात्मक तथा कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करना विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है|

आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थीयों को विज्ञान, कला, सामाजिक, योग, खेल, तकनिकी तथा सांस्कृतिक संदर्भ में उनका चहुमुखी विकास हेतु विद्यालय सतत कार्यशील एवं प्रयत्नशील है जिससे वे आगे चलकर सभ्य, सुशिक्षित तथा आत्मनिर्भर नागरिक बन सके|

* * *

चुनौतियाँ

विद्यालय के शारीरिक प्रशिक्षक नीरज कुमार सिंह द्वारा मुझे किक बॉक्सिंग के बारे में बताया गया जिसमें प्रतिद्वंदी खिलाडी पर बॉक्सिंग की तरह ही पंच बरसाए जाते हैं। इसके साथ ही पैरों से कीक भी मारी जाती है। ये फाइट बॉक्सिंग रिंग में होती है। श्री सिंह के द्वारा दिए गए सुझाव को मैं नए तरीके से सोचने लगा। मैंने निर्णय किया कि आत्मरक्षा तथा आत्मविश्वास में वृद्धि करने हेतु छात्राओं के द्वारा ही शुरुआत की जाय, परंतु इसकी शुरुआत जितनी आसान लग रही थी, उतनी थी नहीं। निम्न समस्याएं उभर कर आई :-

1. छात्राओं तथा उनके अभिभावक का इसके प्रति विशेष ज्ञान तथा उत्साह का न होना।
2. उससे अधिक यह खेल शारीरिक टकराव के लिए भी जाना जाता है जिससे छात्राऐं शारीरिक चोट की वजह से स्वयं को असहज तथा असुरक्षित महसूस कर रही थी।
3. विद्यालय में महिला शिक्षक अथवा प्रशिक्षक के ना होने से असहज महसूस कर रही थी।
4. विद्यालय के ग्रामीण परिदृश्य में स्थापित होने की वजह से स्थानीयों के द्वारा विरोध भी हुआ।
5. इस खेल की पहचान लड़कों के खेल के लिए है ना कि लडकियों के खेल से।
6. एक पुरुष "प्रशिक्षको के द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण देना..... छात्राओं के शरीर पर चोटों का आना इत्यादि।

* * *

समाधान हेतु अपनाई गई रणनीति

धीरे धीरे छात्राओं में खेल के प्रति उनका उत्साहवर्धन करके उनके आत्मविश्वास को मजबूत किया। श्री सिंह के कहने पर इस खेल के विशेषज्ञ करण कुमार को उनके सहायक तथा विशेष प्रशिक्षक के रुप में रखा गया जिससे बच्चों के उत्साह में निरंतर वृद्धि हो सके।

अभिभावकों के प्रश्नों का व्यक्तिगत समाधान किया गया, उनके विश्वास को बढ़ाया गया। धीरे धीरे अभिभावकों तथा स्थानीय निवासियों को विद्यालय के छात्राओं के प्रति खेलभावना के आगे झुकना पड़ा।

* * *

सफलता.....

छात्राओं के एक समूह को जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए धनबाद जाना था, परंतु छात्राओं के अभिभावक अपनी किशोरी छात्राओं को इतनी दूर भेजने को तैयार नहीं थे। यह समस्या और भी भयानक हो जाती है जब विद्यालय में एक भी महिला शिक्षिका अथवा सहयोगी न हो। एक एक कर छात्राओं तथा अभिभावकों को विद्यालय तथा जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए सहमति प्राप्त की गई। छात्राओं के धनबाद जिले में जाकर 10 स्वर्ण सहित 15 पदक जीतकर वापस आने पर बच्चों का उत्साह अपने चरम पर था। लगभग एक महीने के बाद ही खेलो इंडिया का महिला कीक बॉक्सिंग लीग प्रतियोगिता के दूसरे चरण को राँची में आयोजित होना था। अभिभावकों तथा छात्राओं का सहयोग लेकर उन्हें प्रतियोगिता में शामिल कराया गया जहाँ 325 से भी अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिसमें 11 स्वर्ण, 3 रजत, तथा 2 काँस्य के साथ गोड्डा को तीसरा स्थान दिलाकर छात्राओं ने अपना लोहा मनवाया। छात्राओं का आत्मविश्वास इस समय शिखर पर है, जहा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए अगले वर्ष होने वाले खेलो इंडिया, गोवा के लिए उत्सुक है।

* * *

सुखद-क्षण

* * *

सुखद-क्षण

खेलो इंडिया वूमेंस किक बॉक्सिंग लीग में जिले को प्राप्त हुआ ओवर ऑल तीसरा स्थान

गोड्डा। संवाददाता

दो दिवसीय खेलो इंडिया वूमेंस किक बॉक्सिंग लीग में गोड्डा जिले को ओवर ऑल तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। जिसमें 11 स्वर्ण पदक, 05 रजत और 2 कांस्य पदक है। ज्ञात हो कि सभी बच्चियां सुदूर ग्रामीण स्थित उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय रमला की छात्राएं है। जीत के बाद विद्यालय आगमन पर सभी शिक्षकों द्वारा उनको मिठाई खिला कर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पदक विजेता खिलाड़ी में मीनू साक्षी, मौसम कुमारी, आर्या कुमारी, प्रिया कुमारी, सोनी कुमारी, सिंपल कुमारी, शबनम कुमारी, पूजा कुमारी,सोनी कुमारी, रिंकी कुमारी, आंचल कुमारी, अन्नू साह और स्वीटी कुमारी रही। ज्ञात हो कि सभी स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी गोवा में 2024 में आयोजित होने होने वाले राष्ट्रीय महिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रधानाध्याक ने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि खेल द्वारा व्यक्ति का स्वास्थ्य ठीक रहता है तथा हमेशा स्फूर्ति बनी रहती है। खेल द्वारा व्यक्ति का समाजीकरण भी होता है।

“असफलता का मौसम सफलता का बीज बोने के लिए सबसे उत्तम समय है।”

धन्यवाद